सालाना रिर्पोट

1 अपैल 2016 से 31 मार्च 2017

SADBHAVANA TRUST

सद्भावना ट्रस्ट की स्थापना 1990 मे दिल्ली में स्थानीय सक्रिय कार्यकर्ताओं के एक ऐसे समूह द्वारा की गई थी जो जेण्डर एवं समता के सिद्धान्तों पर विश्वास करते हैं। और वे इस संस्था के पंजीकरण के 20 साल पहले से दिल्ली मे ग़रीब ग्रामीण मज़दूरों के साथ काम कर रहे थे। सद्भावना ट्रस्ट का उद्देश्य हैं स्थानीय नेतृत्व एवं क्षमताओं का विकास करना, खास तौर पर महिलाओं एवं हाशिये पर खड़े समूहों का।

सद्भावना ट्रस्ट 2009 से लखनऊ शहर की हाशिये पर खड़े समुदाय के साथ काम कर रही हैं। संस्था लखनऊ में खासकर लड़कियों और महिलाओं के साथ जेण्डर हिंसा और पहचान के विषयों पर नज़रिया निर्माण करके उन्हें नेतृत्व में लाने का काम करती हैं। साथ ही लड़कियों और महिलाओं को तकनीकि कौशल का हुनर देते हुये उन्हे सशक्तीकरण एवं आत्मनिर्भर बनने पर ज़ोर देती है। इसी कड़ी में संस्था समुदाय व महिला जेल में महिला हिंसा, स्वास्थ्य, काउन्सलिंग, निःशुल्क कानूनी सलाह, शेल्टर होम, कानूनी पैरवी एवं महिलाओं को पुनः स्थापित करने का काम करती हैं। जिससे महिलाओं की सामाजिक कामों में भागीदारी सुनिश्चित हो और वे अपने अधिकारों की अगुवाई खुद करे।

संस्था द्वारा की गई पहलः

1. नेतृत्व विकास कार्यक्रम (यह कार्यक्रम दो स्तर पर चल रहा हैं बेसिक ग्रुप के साथ और दूसरा एडवांस ग्रुप)
2. वीडियों युनिट (फिल्म स्टूडियो)
3. सूचना केन्द्र
4. शेल्टर होम एवं महिला हिंसा के केसों पर पैरवी
5. नारी बंदीगृह एवं समुदाय से उभरे महिला हिंसा के केसों पर पैरवी
6. शिक्षा हेतु अनुदान स्कॉलरशिप और मेडिकल सहयोग
7. बाराबंकी नेतृत्व विकास कार्य
8. संस्थागत विकास (संस्था में कार्य कर रहे साथियों का क्षमता विकास)

गतिविधि विवरण–

1. नेतृत्व विकास कार्यक्रमः

उद्देश्यः हाशिये पर खड़े समुदाय की युवा महिलाओं एवं लड़कियों का नारीवादी नज़रिये से नेतृत्व विकास करना। साथ ही जेण्डर, पहचान, शिक्षा, यौनिकता, स्वास्थ्य और अन्य मुद्दों पर उनका नज़रिया बनाते हुये तकनीकी क्षमता का निर्माण करते हुये, उन्हे फ़ील्ड एक्सपोज़र और मोहल्ले के मुद्दे पर काम करने का व्यवहारिक समझ व सीख विकसित करना।

क. मुबलाइज़ेशन कैम्पियन–

नेतृत्व विकास कार्यक्रम से लड़कियों को जोड़ने के लिए 7 वार्ड के 25 मोहल्ले में मोबलाइज़ेशन किया गया। इस दौरान लड़कियों को चिन्हित करने हेतु प्रत्येक मोहल्लों में कार्यक्रम संबंधित जानकारी के लिए बैठक की गई। बैठक के उपरान्त पहले साल पूरे कार्यक्रम से पूर्ण रूप से 25 लड़कियां जुड़ी और दूसरे साल 23 लड़कियां। दो साल में लड़कियों के साथ संस्था द्वारा बुनियादी नेतृत्व विकास कार्यक्रम का दो (2016– 17) बैच शुरू किया गया। जिसमें पहला बैंच पूरा हो चुका हैं और दूसरा बैंच संचालित हैं। वर्तमान में दो बैंच निरंतर चल रहे हैं, बेसिक कार्यक्रम और एडवांस कार्यक्रम जिसमें जो लड़कियां बेसिक कार्यक्रम में जुड़ी थी अब वह एडवांस कार्यक्रम में जुड़ी हुई हैं।

ख. नज़रिया निर्माण कार्यशालाएं–

कार्यक्रम से जुड़ी लड़कियों का (बेसिक एवं एडवांस कार्यक्रम से जुड़ी लड़कियां) नज़रिया बनाने हेतु संस्था द्वारा लड़कियों को निम्न गतिविधियों से जोड़ा गया। जैसे सामूहिक बैठके, जेण्डर–पहचान, पित्तसत्ता, प्रजनन स्वास्थ्य एवं यौनिकता, एल.जी.बी.टी राईट्स, मुद्दे आधारित फिल्मों पर चर्चा, संस्कृतिक कार्यक्रम व लखनऊ तहज़ीब पर समझ। उपरोक्त मुद्दों पर लड़कियों की समझ पैनी हुई हैं, जिससे वह परिवार के बीच अपनी आवाज़ उठाती हैं।

ग. तकनीकि क्षमता विकास एवं विशेष कार्यक्रम–

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 के दौरान कार्यक्रम से जुड़ी लड़कियों के साथ नारीवादी नज़रिये से कम्प्यूटर (बेसिक एवं एडवांस जानकारी) कार्यशालाएं आयोजित की गई। साथ ही उनकी व्यवहारिक जिंदगी में अन्य विकल्प और उनके आत्मविश्वास को मज़बूत करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाये गये। जैसे– टैली, रिपोर्टिंग

कार्यशाला, इमेज मनेजमेंट वर्कशॉप, कैरियर काउन्सिलिंग, एक्सपोजर विज़िट, प्रशासन के साथ जुड़ाव, आयोजित सम्मेलनों में सहभागिता एवं लड़कियों द्वारा सीखे हुये अनुभव का प्रदर्शन हेतु कम्युनिटि में इवेन्ट का संचालन। अभी इस एडवांस कार्यक्रम में 25 लड़कियां लगातार जुड़ी हुई हैं। इस साल सद्भावना ट्रस्ट ने सनतकदा के सालाना फेस्टिवल में **युवा मेला** का आयोजन किया, जिसे कार्यक्रम से जुड़ी लड़कियों ने स्वतंत्र रूप से संचालित किया। युवा मेला के ज़रिये संस्था की पहचान लखनऊ के आवाम के बीच बढ़ी। और लड़कियों ने अपने आत्मविश्वास व अपने हुनर से कार्यक्रम को सफल बनाया।

2. वीडियो यूनिट (फिल्म स्टूडियो):

उद्देश्यः यह एक अनूठी पहल जो कि नज़रिया निर्माण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पहल का मक़सद हैं युवा महिलायें जो खासकर हाशिया ग्रस्त समुदाय से हैं। वे युवा महिलाएं मीडिया और तकनीकी हुनर को सप्रेषण का माध्यम बनाते हुए, समुदाय एवं समाज के उभरते मुद्दे को मुख्य धारा से जोड़े। जिससे ज़मीनी हकीकत और संबधित मुदद्ों की तरफ़ समुदाय और प्रशासन का ध्यान केन्द्रित हो।

क. फिल्म शूटिंग एवं एडिटिंग–

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक फिल्म यूनिट ने 21 शॉट फिल्मों का ऑर्डर लिया हैं। यूनिट द्वारा 20 वीडियो शूट किये हैं (सांस्कृतिक कार्यक्रम और समुदाय के लिए)। 47 कार्यक्रमों की फोटोग्रफी की गई हैं, जिनमें 24 ऑर्डर हैं और 23 समुदाय व सांस्कृतिक कार्यक्रम के दस्तावेजीकरण हेतु। फिल्म यूनिट के लिए सबसे ज़्यादा दिलचस्प शूटिंग रही, कईट मेकर, अ जर्नी ऑफ फेमिनिस्ट लीडरशिप, ये मेरा घर मुज़फ्फ़रनगर और लखनऊ की रिहाईश । क्योकि इस दौरान यूनिट को अलग–2 लोगों से मिलने, बात करने का मौका मिला जो उनके लिए काफी सराहनीय व सीखने का दौर था।

ख. मोहल्ला फिल्मिस्तान व विशेष फिल्म प्रदर्शन–

यह पहल भी नज़रिया निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो वीडियों यूनिट द्वारा बनाई डॉक्युमेंट्री फिल्म व हिन्दी फिचर फिल्म का प्रर्दशन करता हैं। मोहल्ला फिल्मिस्तान हेतु दो क्षेत्र स्थाई रूप से चिन्हित किया गया हैं जिसमें हर दो माह के अन्तराल में फिल्मिस्तान आयोजित किया जाता हैं। पहले की अपेक्षा फिल्मिस्तान में महिलाओं की संख्या बढ़ी हैं और वह फिल्मों की चर्चा में जुड़ने लगी हैं। इसी कड़ी में चार डॉक्युमेंट्री (**चाँद बीबी**, **आर.टी.आई, मैडली और सायरा की कहानी**) फिल्मों पर कैम्पियन किया गया।

ग. फिल्म यूनिट का तकनीकि क्षमता विकास–

फिल्म यूनिट ने स्वयं की क्षमता को मज़बूत करने के लिए अलग– 2 कार्यशालाओं (**वॉईस रिकॉडिंग, ऑडियो साउन्ड, डिजिटल वर्कशॉप, फोटोग्राफी वर्कशॉप,** एडवांस लेवल शूटिंग, **एडिटिंग** एवं फोटोशॉप) से जुड़े रहे। साथ ही शहर में अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित फिल्म फेस्टिवलों में शामिल रहे। फिल्म यूनिट के साथियों की क्षमता पहले की अपेक्षा मज़बूत हुई हैं। अब वह ट्रेनर के रूप में उभर रहे हैं। इस साल उन्होने ने अपने हुनर में इग्लिश लिखने, पढ़ने और बोलने की क्षमता को भी बढ़ाया हैं, जो उनके काम को समझने में काफी मदद कर रहा हैं।

3. सूचना केद्र द्वारा किया गया कार्यः

उद्देश्यः

महिलाओं के नेतृत्व में समुदाय के लोगों को सरकारी जन सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी देना। महिलाओं एवं लड़कियों का संस्थाओं व प्रशासन के संचालन में भागीदारी क्षमता को बढ़ाना और उनको लोकतांत्रिक प्रकिया से जोड़ना जिससे वे मुख्यधारा में शामिल हो सकें। महिलाओं एवं लड़कियों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कर सशक्त करना जिससे वो अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके।

क. मोबलाइजेशन एवं मोहल्ला बैठक–

पिछले 12 माह में 7 वार्ड के 25 मोहल्लों में मोबलाइज़ेशन के उपरान्त बैठक किया गया। बैठक के दौरान समुदाय में सरकारी जन सुविधाओं एवं ख़ास योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मोहल्ले के बीच महिलाओं के साथ नज़रिया निर्माण की कार्यशालाएं एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। इस प्रकिया से महिलाओं में जानकारी बढ़ी जिससे वे नज़रिया और जानकारी के साथ अपनी ज़रूरत के हिसाब से सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा पा रही हैं।

ख. स्टेक होल्डरों के साथ मींटिग एवं फालोअप–

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक स्टेक होलडरों और समुदाय के बीच कुल 56 मीटिंग की गई। जिसमें राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की पूरी जानकारी, कियान्वयन एवं निगरानी की प्रकिया को समझने के साथ ही चल रही योजनाओं के आवेदन भी कराये गये। उसी दौरान पूर्व जमा आवेदनों की प्रगति विवरण जानने के लिए फालोअप किया गया।

ग. समुदायिक पैरालीगल एवं क्षमता विकास–

सूचना केन्द्र के अन्तर्गत मोहल्ले की 10 लड़कियां पैरालीगल के रूप में अपने मोहल्ले के मुद्दे पर काम कर रही हैं। इसके अतिरिक्त तीन क्षेत्र की 24 लड़कियों एवं महिलाओं को बिजनेस मॉडल प्रोग्राम, बागबानी और ड्राईविंग कार्यशालाओं से जोड़ा गया। जिसके उपरान्त 12 लड़कियां चिकनकारी का बिजनेस कर रही हैं और 4 महिलाएं बागबानी का कार्य कर रही हैं। 17 डॉपआउट लड़कियों का पुनः स्कूल में दाखिला कराया गया।

घ. सूचना केन्द्र द्वारा किये गये आवेदनों का विवरण–

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक महिलाओं और स्कूल में पढ़ रहे बच्चों को कुल उनतिस लाख सैतालिस हज़ार सात सौ पन्द्रह रू0 धन राशि का लाभ मिला। (2947715)

कुल आवेदन
- 2016 – 017 में कुल **2447** आवेदन कराये गये।

मिला लाभ
- 1203 हक धारकों को लाभ मिला।

चल रही प्रकिया
- 1244 आवेदनों में संस्था द्वारा फालोअप प्रकिया चल रही हैं।

निवासी बालागंज, लाभार्थी द्वारा

"मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से मुझे पढ़ाई छोड़नी पड़ी। मेरे घर में और भी छोटे भाई बहन थे मेरी पढ़ाई से ज़्यादा उनकी परवरिश ज़रूरी थी। मैं तो अपना सपना धुन्धला कर चुकी थी

निवासी डालीगंज, लाभार्थी द्वारा

"समाजवादी योजना के तहत मुझे रिक्शा मिला। मैं बहुत खुश हूं कि अब हमको रिक्शे का किराया नही देना पड़ता। अब मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो गई है। अब मैं कम मेहनत मे ज़्यादा पैसा कमाता हूं। पहले मैं पहिये वाला रिक्शा

निवासी गढ़ीकनौरा, लाभार्थी द्वारा

"मैं आंखो से विकलांग होने की वजह से कोई काम नही कर पाता हूं, जब तक मेरे पिता जिंदा थे वो मेरी ज़रूरतों को पूरा करते थे। लेकिन मेरे पिता की मौत के बाद मुझे अपनी छोटी–छोटी जरूरतों के लिए परेशान होना पड़ा। लेकिन संस्था की मदद से मुझे विकलागं पेशन

लेकिन 2016 में "हमारी बेटी उसका कल" योजना के तहत मुझे बीस हज़ार रूपये मिले। उस पैसे से हमने अपनी आगे की पढ़ाई शुरू की। और आज मैं बी0एस0सी0 फर्स्टइयर में पढ़ रही हूं, और मैं डॉक्टर बनना चाहती हूं।

चलाता था उसमें मेहनत ज्यादा लगती थी और अच्छी आमदनी भी नही हो पाती थी। जिससे मैंने बच्चों की पढ़ाई रोक दी थी। आज मेरी सेहत भी ठीक हैं और मेरे बच्चें भी स्कूल जा रहे हैं।

योजना का लाभ मिला। इस योजना के तहत मेरे खाते मे हर तीसरे महीने 1800 रू0 आता है जिससे मैं अपनी जरूरते पूरी करता हूं।"

4. शेल्टर होम एवं महिला हिंसा के मुद्दों पर की गई पैरवी:

उद्देश्य:

संस्था द्वारा चल रहे शेल्टर होम में रह रही महिलाओं की स्थिति को समझना, उनके साथ लगातार काउंसिलिग करना ताकि वे अपने केस की पैरवी के लिए तैयार हो सके। साथ ही संस्था द्वारा समुदाय के अन्दर वे महिला जो किसी भी तरह की हिंसा से संर्घष कर रही हैं, उन महिलाओं को परिवारिक, सामाजिक और कानूनी मदद करना। और महिलाओं को अपने केस लड़ने के लिये तैयार करना एवं उन्हें पुनः स्थापित करना।

शेल्टर होम एवं समुदाय से आयें केसों का आंकड़ा

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक संस्था के अंदर महिला हिंसा के कुल 45 केस आये हैं जिन पर संस्था द्वारा पैरवी की जा रही हैं। जिसका आंकड़ा इस प्रकार हैं।

केस का प्रकार	संख्या
घरेलू हिंसा	21
चयन का अधिकार	6
दहेज उत्पीड़न	2
बलात्कार	3
हत्या	1
तलाक	5
अपहरण	4
ठगी / चार सौ बीसी	1
ज़मीन जायज़ाद	2

कुल केसों की संख्या	**45**

5. नारी बंदीगृह में महिलाओं के केसों पर की जाने वाली पैरवीः

उद्देश्यः

सद्भावना ट्रस्ट **नारी बंदी निकेतन** और **"ज़िला कारागार"** लखनऊ में पिछले 7 वर्षो से कार्य कर रहा है। जिसका मकसद यह हैं कि जो लम्बे समय से जेल मे सज़ा काट रही महिलाएं और हवालाती महिलाएं हैं उनको कानून की जानकारी देना। केसों की कानूनी पैरवी कर केसों को अदालत में सुनवाई हेतु लाना, जिससे वे महिलायें न्याय प्रक्रिया से जुड सके पुनः स्थापित हो सके। महिलाओं को कानूनी सहायता के साथ–साथ उनका सशक्तीकरण एवं नज़रिया निर्माण करने हेतु बंदी गृह में प्रशिक्षण देना।

केसों का आंकड़ा

केस का प्रकार	**धाराएं**	**संख्या**
चोरी	419,420	**2**
चयन का अधिकार	376	**1**
हत्या	302	**9**
आपसी विवाद	120 बी.	**2**
जसूसी	3/4 इंण्डियन एयर फोर्स एक्ट	**1**
कुल केसों की संख्या		**15**

विशेष तौर लगातार बंदी गृह में लगभग 150 महिलाओं के साथ कानूनी जानकारी पर चर्चा संचालित हैं।

6. मेडिकल सहयोग एवं समुदाय के बच्चों को शिक्षा हेतु सहयोगः

सद्भावना ट्रस्ट के तहत पढ़ाई के लिए जिन लोगों ने व्यक्तिगत रूप से बच्चों के लिये स्कॉलरशिप दी है, उस स्कॉलरशिप से कुल 24 बच्चे लाभ पा रहे है। इनमें से 8 बच्चें नये हैं जिनकी खास ज़रूरतों को देखते हुये सहयोग किया गया हैं। जैसे कुछ बच्चों को किताबों के लिए मदद किया गया, और कुछ बच्चों को फीस एवं ड्रेस के लिए। चयन कमेटी द्वारा निणर्य लिया गया था कि स्कॉलरशिप के लिये चयन प्रक्रिया हेतु 60

प्रतिशत लखनऊ के बच्चें और 40 प्रतिशत लखनऊ से बाहर के बच्चें इस कार्यक्रम में शामिल किये जायेंगे। वर्ष 2016–2017 में संस्था द्वारा 9 लोगों की बीमारी में मदद किया गया हैं।

7. बाराबंकी के कुम्हरौरा गांव में नेतृत्व विकास कार्यः

अगस्त 2014 से सद्भावना ट्रस्ट ने बाराबंकी ज़िले के कुम्हरौरा गांव में काम की शुरूआत की। इस काम के तहत हमने तय किया था कि हम कुम्हरौरा गांव के युवा साथियों, महिलाओं और गांव के अन्य लोगों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। जिसका उद्देश्य निम्न बिंदुओं पर आधारित हैं।

उद्देश्यः

- गांव के अन्दर एक इनटाईटलमेन्ट सेन्टर (सूचना सन्दर्भ केन्द्र) की स्थापना करना जहां पर गांव के प्रत्येक व्यक्ति योजनाओं से सबंधित ससांधनो का लाभ उठा पाये, और लाभार्थियों का सरकारी योजनाओं तक सीधा पहुँच बना पाएं।
- युवाओं के लिए गांव में एक मंच बना कर उन्हे गांव में सामाजिक बदलाव लाने के लिए तैयार करना।
- गांव के युवाओं को नेतृत्व विकास एवं नज़रिया निर्माण प्रशिक्षण से जोड़ना, जिसमें जेण्डर, पहचान, शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और अन्य मुद्दें शामिल हैं।
- गांव की महिलाओं का जेण्डर और पहचान के मुद्दों पर एक नज़रिया बनाना जिससे वे अपने क्षेत्र की मुख्य समास्याओं को समझ कर स्वयं नेतृत्व कर सके।
- कम्प्यूटर और सूचना तकनीकि क्षमता विकास करना जो युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने में मदद देगा, जिससे उनका आत्मविश्वास और क्षमताएं बढ़ेगी, जिससे न सिर्फ उनकी निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी साथ ही रोज़गार के अवसरों तक पहुँच भी बढ़ेगी।

संस्था द्वारा पहलः

क. युवाओं के साथ कौशल विकास कार्यक्रम–

पिछले 12 माह में संस्था द्वारा **359** युवाओं के साथ निम्म प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की गई जैसे– सोलर लैम्प, ग्लास पेन्टिंग, कम्प्युटर प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण और बाज़ारीकरण।

उपरोक्त प्रशिक्षण के उपरान्त 25 लड़कियां गांव में सिलाई करके अपने परिवार को आर्थिक रूप से मदद कर रही हैं।

ख. महिला सशक्तिकरण–

संस्था द्वारा गांव में चल रहे बचत समूह के ज़रिये 36 महिलाओं का एक संगठन स्थापित हुआ हैं। इनमें से 20 महिलाएं साक्षरता कैम्प के ज़रिये साक्षर हुई हैं। गांव की वे महिलाएं जो कभी गांव के बाहर नही जाती थी वह अब अपने मुद्दे को लेकर प्रशासन तक जाती हैं। गांव की 20 महिलाओं ने स्वंय अपने खाते खुलवाये हैं। इनमें से एक महिला और तीन लड़कियां गांव में नौकरी कर रही हैं। संगठन की महिलाओं ने चयन के अधिकार के मुद्दे को लेकर सकारात्मक पहल की।

ग.बाराबंकी सूचना केन्द्र द्वारा किये गये आवेदनों का विवरण–

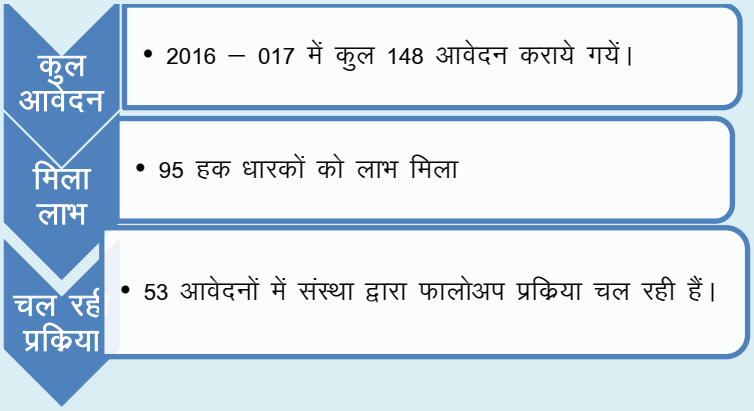

8. संस्थागत क्षमता विकास (संस्था में कार्य कर रहे साथियों का क्षमता विकास):

कार्यकर्ताओं को संस्था द्वारा मिले इनपुट		
संस्थागत रूप से दिये गये इनपुट	**शामिल व्यक्ति**	**सीख**
हमसफर संस्था द्वारा महिला मुद्दे पर दो	एक व्यक्ति	महिलाओं सें जुड़े मुद्दों पर गहराई से

दिवसीय कार्यशाला		समझ बनी।
इग्लिश स्पीकिंग बेसिक और एडवांस कोर्स (माह में 6 दिन का लगातार चल रहा हैं जो पूरे एक साल का कोर्स हैं)	11 व्यक्ति शामिल रहे	पहले की अपेक्षा लोग अंग्रेज़ी भाषा को अपने बोल चाल की भाषा में प्रयोग करने लगे हैं।
महिला हिंसा के मुद्दे पर जनसुनवाई	7 व्यक्ति शामिल रहे	संस्था के काम से मुद्दों पर असर डालने की क्षमता बढ़ी।
डिजटल कार्यशाला (दो चरणों में) मुम्बई द्वारा	12 व्यक्ति शामिल रहे	डिजिटल स्टोरी के माध्यम से सम्प्रेषण करना सीखा।
स्टोरी टेलिंग कार्यशाला।	2 व्यक्ति शामिल रहे	स्टोरी बनाना सीखा और कहानी को कहने का तरीका सीखा।
महिला क्षमता विकास 4 कार्यशालाएं मुम्बई द्वारा	सद्भावाना ट्रस्ट की पूरी टीम के साथ	महिलाओं की सुरक्षा, रोज़गार और सरकारी योजनाओं पर समझ बनी।
ओ0 डी0 ट्रेनिंग (जेण्डर एट वर्क द्वारा संचालित साल में दो बार)	3 व्यक्ति शामिल रहे	संस्था की पॉलिसी को समझते हुये संस्था के अंदर उसका क्रियान्वयन कर पायें।
स्वास्थ्य जेण्डर एवं यौनिकता कार्यशाला किया दिल्ली द्वारा	सद्भावाना ट्रस्ट की पूरी टीम के साथ	जेण्डर, स्वास्थ्य एवं यौनिकता की जानकारी बढ़ी।
टिस मुमबई द्वारा रिर्पोटिंग कार्यशाला	कार्यक्रम समन्वयक और फील्ड कार्यकर्ताओ के साथ।	किये गए कार्यो को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने पर समझ बनी।
युवती मेला हेतु कार्यशाला अक्षरा द्वारा	5 व्यक्ति शामिल रहे	अच्छे टूल और सप्रेषण करने की क्षमता बढ़ी, और अपने समुदाय में युवती मेला करने का आत्मविश्वास बढ़ा।
एविड फेमिनिस्ट फोरम में सहभागिता (ब्राज़ील विज़िट)	एक व्यक्ति को विदेश जाने का मौक़ा मिला।	पहली बार अन्तर्रराष्टीय स्तर पर नारीरवादी समूहों से मिलने और अन्य देशों के मुद्दों को जानने का मौका मिला ।
आली द्वारा कानूनी प्रशिक्षण में सहभागिता	2 व्यक्ति शामिल रहे	कानून की बुनियादी जानकारी के

(तीन चरणीय प्रशिक्षण)		साथ–साथ धाराएं एवं लीगल भाषा में दस्तावेज तैयार करना सीखा।
अमन नेटवर्क समूह द्वारा बैठक	एक व्यक्ति शामिल रहा	कानूनी प्रक्रिया को समझना

संस्था द्वारा प्राप्त उपलब्धियां:

नेतृत्व विकास कार्यक्रम

- नेतृत्व विकास से जुड़ी 8 ड्रॉपआउट लड़कियों का पुनः स्कूल में एडमिशन होना।
- लड़कियां बड़े मंच पर आत्मविश्वास के साथ, सीखे हुए अनुभव का प्रस्तुतीकरण करने लगी हैं।
- 5 लड़कियों को प्राईवेट नौकरी मिली हैं जिससे घर में उनकी इज़्ज़त बढ़ी हैं।
- मोहल्लों में कार्यक्रम का सार्टिफिकेशन और फिल्म स्क्रीनिंग से लोगों के बीच जुड़ा बढ़ा हैं।
- यौनिकता और जेण्डर से जुड़े मुद्दे पर लड़कियां बेबाकी के साथ सवाल करती हैं।
- अपने शहर से दूसरे शहर में जाने और अपने परिवार में अपनी बात रखने की क्षमता मज़बूत हुई हैं।
- सनतकदा फेस्टिवल से जुड़कर अवध के कल्चरल को समझा हैं, और गतिविधियों में जुड़कर अपनी रूची दिखाई हैं।
- लड़कियों ने स्वतंत्र रूप से युवा मेला का आयोजन किया जो काफी सराहनिय था।

सूचना केन्द्र एवं महिला हिंसा

- बिजनेस मॉडल कार्यशाला से जुड़कर 12 महिलाएं एवं लड़कियां का एक स्वतंत्र समूह स्थापित हुआ। जो अपने नाम और काम की पहचान के साथ बिजनेस कर रहा हैं।
- बागबानी कार्य करने के लिए 4 महिलाओं को नौकरी मिली, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ।
- 17 डॉप आउट लड़कियों का प्राईवेट स्कूल में एडमिशन हुआ जिससे वह लड़कियां बहुत खुश हैं।
- मोहल्ले के 15 बच्चों का एडमिशन प्राईवेट स्कूल में हुआ, जो पहले परिवार की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होने के कारण नही पढ़ पा रहे थे।

- प्री–मैट्रिक के 85 बच्चों के स्कॉलरशिप का पैसा एकाउन्ट में आने से वह अपने आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से कर पा रहे हैं।
- समाजवादी पेशन योजना के तहत 300 महिलाओं के एकाउंट में पहली किस्त (4000 रू प्रति महिला) खाते मे आने से महिलाएं इस पैसे को अपना मान रही हैं और अपने शौक, श्रृंगार का सामान खरीद पा रही हैं।
- मोहल्लें की 7 औरतें ड्राईविंग कार्यशाला से जुड़ी हुई हैं, इनकी सीखने की प्रक्रिया चल रही हैं
- एक महिला के केस में पैरवी करके खाना– खर्चा बंधवाया गया, जिससे महिला अपने बच्चें का इलाज करवा पा रही हैं।
- रईट टू च्वाईस के केस में महिला को कानूनी पैरवी करके मायके से निकाल कर उसके पति के पास भेजा गया।
- सबिहा का पति द्वारा तलाक का केस था, जिससे वह मानसिक रूप से बीमार हो गई थी, संस्था द्वारा उसका इलाज कराया गया। अब वह पार्लर में नौकरी कर रही हैं और अपने बच्चों का पालन पोषण कर रही हैं।
- महिला हिंसा के खिलाफ किये गये अभियान से समुदाय के लोग जागरूक हुये हैं। हिंसा के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ी हैं, जिससे वे अपना मुद्दा लेकर स्वंय संस्था तक आ रहे हैं।
- पुलिस प्रशासन एवं सम्बंधित विभागों में टीम की आवा–जाही बढ़ने के साथ– साथ उनकी संस्थागत पहचान बढ़ी है।
- केस की महिला को रहने के लिए शेल्टर दिया गया और लीडरशिप कार्यक्रम से जोड़ा गया।

सनतकदा फिल्म यूनिट

- फिल्म यूनिट का स्थाई नाम स्थापित हुआ हैं, वर्तमान नाम हैं **"सनतकदा फिल्म स्टूडियो"**
- यूट्यूब पर सनतकदा फिल्म यूनिट के नाम से चैनल बनाया गया हैं।
- सनतकदा फिल्म यूनिट में दो साथी पार्टटाईम काम करने के लिए जुड़े हैं।
- फिल्म यूनिट की स्वयं की पहचान स्थापित हुई हैं। जिससे उन्हें उनके नाम से जाना जाता हैं।
- सरकारी ऑर्डर मिलना, जिससे वह सरकार के साथ जुड़कर उनके बीच नारीवादी नज़रिये के साथ काम कर पायें। और अपना नज़रिया उस फिल्म में डाल पायें।

- फिल्म यूनिट के संसाधनों में बढ़ोत्तरी हुई हैं, जो उनके काम को गुणवत्ता पूर्ण करने में मदद कर रहा हैं।
- फिल्म यूनिट ने चार बड़े फिल्म प्रदर्शन (आर.टी.आई., लखनऊ की रिहाईश, त्रियांक और तमन्ना) को स्वतंत्र रूप से आयोजित किया हैं।
- फिल्म यूनिट अब प्रशिक्षक के रूप में उभर कर निकल रह हैं।
- फिल्म यूनिट द्वारा बनाई फिल्मों को स्वतंत्र रूप से बेचा गया ताकि यूनिट के व्यवासाय में बढ़ोत्तरी हो सके।

संस्थागत क्षमता विकास

- अंग्रेज़ी सीखने से टीम के अंदर ये बदलाव हैं कि वह कही से भी आई अंग्रेज़ी ईमेल को स्वंय पढ़ते हैं और उसका जवाब देने की कोशिश करते हैं। सद्भावना ट्रस्ट से एक साथी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने और वहा सीखने का मौका मिला यह संस्था के लिए एक बड़ी उपलब्धि हैं।
- संस्था के अंदर द्वितीय नेतृत्व समूह स्थापित हुआ हैं, जिससे संस्था के कार्यों को व्यवस्थित रूप से करने में मदद मिल रही हैं।
- फिल्म यूनिट की तकनीकि क्षमता पहले की अपेक्षा बढ़ी हैं, जिससे इनकी फिल्म की गुणवत्ता के आधार शहर में सम्पर्क और आर्डर बढ़े हैं।

काम के दौरान आने वाली चुनौतियांः

- नेतृत्व विकास कार्यक्रम से जुड़ी नई लड़कियों के साथ समय को लेकर चुनौतियां सामने आती हैं, घर वाले उन्हे लम्बे समय के लिए बाहर निकलने नही देते हैं।
- समुदाय के लोगों की प्रशासन तक पहुँच बनाने में अधिकारियों से बार–बार बात करके उन्हें तैयार करना और उनसे समुदाय के लोगों को जोड़ना।
- हाशिये पर खड़े समुदाय की लड़कियो एवं महिलाओं को बाहर निकालना और (महिला ड्राईवर के लिए महिलाओं को तैयार करना) उनको रोज़गार से जोड़ना सबसे बड़ी चुनौती है।
- वीडियो यूनिट की टीम बहुत छोटी हैं जिसे हम बढ़ाना चाहते हैं लेकिन टीम को फुल टाईम बढ़ाने में वित्तीय स्थिति को देखते हुये हम असमर्थ हैं। वर्तमान समय में तीन साथियों को वॉलंटियर के रूप में जोड़ा गया हैं, लेकिन कभी– कभी उनको जोड़ना भी मुश्किल हो जाता हैं।

- महिला हिंसा का केस और जेल का केस पहले की अपेक्षा बढ़ गया हैं, वित्तीय स्थिति को देखते हुये हम नई टीम बनाने में असमर्थ हैं, लेकिन टीम की कमी होने कारण केसों का फालोअप करने में चुनौतियां सामने आती हैं।
- सनतकदा फिल्म यूनिट के लिए अभी भी बिजनेस को पूर्ण रूप से खड़ा करना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं।

संस्था द्वारा प्रकाशित फिल्मों के लिंक एवं फोटो

https://youtu.be/3UzBsNsfDVg - **Dooriyan story of Rekha**

https://youtu.be/ZMMON8CpMnk - **Parwaz**

https://youtu.be/aR-hwLldjFU - **Chand bibi**

https://youtu.be/CF0Pbdq6fq4 - **Lucknow mein Rache Base Bengali**

https://youtu.be/TwgvXnqgZos - **Sabka Adhikar**

तहे दिल से शुक्रिया.....